Table of Contents

1. प्रस्तावना और सारांश
2. पात्र परिचय
3. केंद्रीय भाव और थीम
4. अलंकार एवं काव्य सौंदर्य
5. प्रमुख उद्धरण एवं व्याख्या
6. हल किए गए उदाहरण
7. अभ्यास प्रश्न
8. उत्तर कुंजी
9. त्वरित संदर्भ
10. शब्दावली

प्रस्तावना और सारांश

यह कहानी पंचतंत्र की प्रसिद्ध कथा "मित्रलाभ" से ली गई है, जिसमें मित्रता की महत्ता और उसके बल से आने वाली सुरक्षा का वर्णन है। कहानी में कौआ लघुपतनक, कबूतर राजा चित्रग्रीव, चूहा हिरण्यक,

कहानी की शुरुआत होती है लघुपतनक नामक कौवे से, जो व्याध के आने की सूचना देता है और पक्षियों को सावधान करता है। कबूतर राजा चित्रग्रीव लोभ में आकर व्याध के जाल में फंस जाता है। हिरण्य
के जाल में फंसे चित्रांग को भी मित्रों की सहायता से बचाया जाता है। अंत में मित्रता की शक्ति से सभी व्याध से मुक्त हो जाते हैं।

पात्र परिचय

- **लघुपतनक कौआ** – सावधान, बुद्धिमान और मित्रता में विश्वास रखने वाला।
- **चित्रग्रीव कबूतर राजा** – लोभी, पर बाद में मित्रों के प्रति समर्पित।
- **हिरण्यक चूहा** – चतुर, सज्जन और मित्रों की सहायता करने वाला।
- **मन्थरक कछुआ** – धैर्यशील और मित्रों की रक्षा करने वाला।
- **चित्रांग हिरन** – भयभीत, पर मित्रों पर भरोसा रखने वाला।
- **व्याध** – शत्रु, जो पक्षियों और जानवरों को पकड़ने वाला।

केंद्रीय भाव और थीम

कहानी का मुख्य भाव है "मित्रता में शक्ति है"। यह बताती है कि सच्चे मित्र विपत्ति के समय साथ देते हैं और मिलकर कठिनाइयों का सामना करते हैं। लोभ, भय और विश्वास की भूमिका भी कहानी में प्रमु

अलंकार एवं काव्य सौंदर्य

यह गद्य कथा होने के कारण इसमें अलंकारों का प्रयोग सीमित है, परन्तु कुछ प्रमुख अलंकार और काव्य सौंदर्य तत्व निम्नलिखित हैं:

- **उपमा अलंकार:** व्याध के दानों को पक्षियों ने कालकूट (जहरीला विष) समझा, जिससे भय का भाव उत्पन्न होता है।
- **व्यतिरेक:** हिरण्यक चूहे द्वारा वैर के दो प्रकारों (सहज और कृत्रिम) की व्याख्या, जो मित्रता और वैर के बीच के अंतर को स्पष्ट करती है।

- **प्रतीकात्मकता:** व्याध का जाल जीवन में आने वाली कठिनाइयों और संकटों का प्रतीक है, जिनसे मित्रों के सहयोग से बचा जा सकता है।
- **पात्रों का चित्रण:** प्रत्येक पात्र की विशेषता और स्वभाव को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया गया है, जिससे कहानी में जीवन्तता आती है।

प्रमुख उद्धरण एवं व्याख्या

- *"लोभ से विवेकशक्ति नष्ट हो जाती है।"* – यह पंक्ति लोभ के दुष्परिणाम को स्पष्ट करती है, जो चित्रग्रीव के जाल में फंसने का कारण बनती है।
- *"मित्रता में बड़ी शक्ति है।"* – कहानी का सारांश, जो मित्रों के सहयोग से संकटों को पार करने की महत्ता बताता है।
- *"वैर दो तरह का होता है— सहज और कृत्रिम।"* – हिरण्यक द्वारा वैर के प्रकार समझाने वाली पंक्ति, जो मित्रता और वैर के बीच के अंतर को स्पष्ट करती है।

हल किए गए उदाहरण

प्रश्न:

चित्रग्रीव कबूतर राजा जाल में कैसे फंसा और उसकी सहायता किसने की?

उत्तर:

चित्रग्रीव लालच में आकर व्याध द्वारा बिखरे अनाज के दानों को चुगने गया, जो व्याध का जाल था। वह जाल में फंस गया। उसकी सहायता हिरण्यक नामक चूहे ने की, जिसने चित्रग्रीव और उसके साथियों वे

प्रश्न:

हिरण्यक और लघुपतनक के बीच मित्रता कैसे विकसित हुई?

उत्तर:

लघुपतनक ने हिरण्यक की सज्जनता और कौशल को देखकर मित्रता का प्रस्ताव रखा, पर हिरण्यक ने पहले इसे अस्वीकार किया। बाद में दोनों ने एक-दूसरे की शर्तों को स्वीकार कर मित्रता की नींव रखी अ

अभ्यास प्रश्न

स्तर 1 – सरल

- लघुपतनक कौआ ने पक्षियों को व्याध से कैसे बचाया?
- चित्रग्रीव कबूतर राजा क्यों जाल में फंस गया?
- हिरण्यक चूहा किस प्रकार चित्रग्रीव की सहायता करता है?

स्तर 2 – मध्यम

- मित्रता की कहानी में लोभ का क्या प्रभाव दिखाया गया है?
- हिरण्यक और लघुपतनक के बीच मित्रता कैसे विकसित हुई?
- मित्रता की शक्ति को कहानी में कैसे प्रस्तुत किया गया है?

स्तर 3 – कठिन

- कहानी में वैर के दो प्रकारों की व्याख्या करें और उनका महत्व बताएं।
- व्याध के जाल में फंसे चित्रांग हिरन की स्थिति और मित्रों की सहायता का विश्लेषण करें।
- कहानी के माध्यम से जीवन में मित्रता के महत्व पर विस्तृत निबंध लिखें।

उत्तर कुंजी

स्तर 1 – सरल

- लघुपतनक ने पक्षियों को व्याध के आने की सूचना दी और अनाज के दाने जहरीले समझने को कहा जिससे वे जाल में न फंसे।
- चित्रग्रीव लालच में आकर व्याध के बिखरे दानों को चुगने गया और जाल में फंस गया।
- हिरण्यक ने चित्रग्रीव और उसके साथियों के बंधन काटकर उन्हें जाल से मुक्त किया।

स्तर 2 – मध्यम

- लोभ ने चित्रग्रीव की विवेकशक्ति को नष्ट कर दिया जिससे वह जाल में फंस गया।
- लघुपतनक की मित्रता की भावना और हिरण्यक की सज्जनता से उनकी मित्रता घनिष्ठ हुई।
- कहानी में मित्रता को संकटों से लड़ने की शक्ति के रूप में दिखाया गया है।

स्तर 3 – कठिन

- सहज वैर वह होता है जो बिना कारण के होता है और उसका अंत नहीं हो सकता, जबकि कृत्रिम वैर कारण से होता है और समाप्त हो सकता है।
- चित्रांग की स्थिति भयभीत और जाल में फंसी हुई थी, मित्रों ने मिलकर उसकी रक्षा की।
- मित्रता जीवन में सहारा और सुरक्षा का माध्यम है, जो विपत्तियों में साथ देता है।

prepzy

त्वरित संदर्भ

- मित्रता में विश्वास और सहयोग आवश्यक है।
- लोभ से बचना चाहिए क्योंकि यह नुकसानदायक होता है।
- सच्चे मित्र विपत्ति में साथ देते हैं।
- वैर के प्रकार समझना मित्रता के लिए आवश्यक है।

शब्दावली

शब्द	
व्याध	शिकार करने वाला जानवर या पक्षी
वटवृक्ष	एक विशाल पेड़
लघुपतनक	कौए का नाम
चित्रग्रीव	कबूतर राजा का नाम
हिरण्यक	चूहे का नाम
मन्थरक	कछुए का नाम
चित्रांग	हिरन का नाम
कालकूट	जहरीला पदार्थ
सहज वैर	स्वाभाविक वैर
कृत्रिम वैर	कारण से उत्पन्न वैर